

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 182

शुक्रवार, 21 जून, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

विलवणन संयंत्र

182. श्री कनकमल कटारा:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में वर्तमान में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितने विलवणन संयंत्र स्थापित और कार्य कर रहे हैं;
- (ख) क्या सरकार का तटीय भारत की पेयजल और सिंचाई की गतिविधियों की मांग को पूरा करने के लिए बड़े स्तर पर समुद्री जल को विलवणित करने का प्रस्ताव है;
- (ग) यदि हां, तो समुद्रीजल की एक विशिष्ट मात्रा के विलवणन पर होने वाले संभावित व्यय का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

- (क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक स्वायत्तशासी निकाय, राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित निम्न तापमान थर्मल विलवणीकरण(एलटीटीडी) प्रौद्योगिकी के आधार पर केंद्र शासित लक्षद्वीप के कावाराती, मिनिर्काय और अगात्ती द्वीपों में एक-एक लाख लीटर स्वच्छ जल उत्पादन की दैनिक क्षमता वाले तीन विलवणीकरण संयंत्र स्थापित किए गए हैं।
- (ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अब लक्षद्वीप के अमीनी, एंड्रोथ, चेटलट, कडामत, कालपेनी एवं किल्लान द्वीपों में 1.5 लाख लीटर स्वच्छ जल उत्पादन की दैनिक क्षमता वाले एलटीटीडी आधारित विलवणीकरण संयंत्र स्थापित कर रहा है। इन छह संयंत्रों की स्थापना हेतु कार्य पहले से ही प्रारंभ किया जा चुका है। तथापि, भारतीय तट के साथ-साथ विलवणीकरण संयंत्र स्थापित करने की पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की कोई योजना नहीं है।
- (ग) विलवणीकरण की प्रति लीटर लागत प्रयुक्त प्रौद्योगिकी और बिजली की लागत पर निर्भर करेगी जो स्थान दर स्थान बदलती रहती है। एलटीटीडी प्रौद्योगिकी के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा किए गए लागत अनुमानों के अनुसार, द्वीप आधारित संयंत्रों में विलवणीकृत पेयजल की लागत लगभग 61 पैसे प्रति लीटर है।
- (घ) प्रश्न नहीं उठता।
